IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद व नवाचार

डॉ. देवकी नन्दन शर्मा

शिक्षा संकाय, जी.एल.ए. विश्वविद्यालय, मथुरा

शोध सारांश –

प्रस्तुत शोध में अध्यापक शिक्षा हेतु भारत सरकार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् की स्थापना,इसकी उपादेयता ,अध्यापक शिक्षा परिषद् के उद्देश्य, इसके कार्य तथा इसके शैक्षिक कार्यक्रमों का वर्णन किया गया है। इसके साथ ही इस शोध पत्र में अध्यापक शिक्षा के नवाचार, इन नवाचारों के प्रयोग में आने वाली बाधाओं के साथ साथ अध्यापक शिक्षा में नवाचारों को विकसित व प्रयोग करने के उपायों पर चर्चा की गई है।

मुख्य शब्दावली– राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, उद्देश्य, शैक्षिक कार्यक्रम, अध्यापक शिक्षा में नवाचार

प्रस्तावना

अखण्डमण्डलाकारं व्याप्तं येन चराचरम्।

तत्पदं दर्शितम्येन तस्मैं श्री गुरवे नमः।।

प्राचीन काल से ही गुरू को भगवान माना जाता है क्योंकि गुरू ही अज्ञान रूपी अन्धकार से निकालकर ज्ञान रूपी प्रकाश को छात्र के अन्तःकरण में स्थापित करता है। गुरू की भूमिका वर्तमान में भी यही है लेकिन परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है अतः अध्यापक शिक्षा में भी परिवर्तन होना स्वाभाविक है। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने विभिन्न स्तरों पर अध्यापक शिक्षा के कार्यक्रम को समर्थन देने के लिए समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवहार एवं जबाबदेह अनेक युक्तियों को परिवर्तित किया। इस प्रयत्न ने इन वर्षों में प्रत्यक्ष परिणाम दिखाए हैं।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा मई 1973 ई० में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद एन.सी.टी.ई. की स्थापना की गई जो 1995 में सवैधानिक निकाय बन गई। यह परिषद अध्यापक शिक्षा से सम्बन्धित सभी प्रकार की समस्याओं के बारे में केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकारों को परामर्श प्रदान करती है तथा योजनाओं की समीक्षा तथा मूल्यांकन करती है जिससे अध्यापक–शिक्षा का स्तर उठ सके। इस परिषद को पूर्ण स्वायत्तता प्राप्त है परन्तु इसको केन्द्र सरकार द्वारा सहायता प्राप्त होती है राज्यों को अध्यापक शिक्षा के विकास हेतु अनुदान देने का अधिकार प्राप्त है। इस परिषद की संस्तुति पर ही उपरोक्त केन्द्रीय साधनों से आर्थिक सहायता की जाती है।

अध्यापक शिक्षा परिषद के उद्देश्य

- सम्पूर्ण देश में अध्यापक शिक्षा प्रणाली के नियोजित व समन्वित विकास को प्राप्त करना।
- अध्यापक शिक्षा प्रणाली तथा उससे जुडे मामलों में मानदण्डों और मानकों को विनियमित एवं उचित रूप से बनाये रखना।
- व्यक्तियों को विद्यालयों में पूर्व प्राथमिक, प्राथमिक,माध्यमिक व वरिष्ठ माध्यमिक चरणों के लिए प्रशिक्षित करना।
- गैर औपचारिक, अंशकालिक शिक्षा, वयस्क शिक्षा पत्राचार एवं दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रमों के लिए प्रशिक्षित करना।

अध्यापक शिक्षा परिषद के कार्य

(1) पाठ्यक्रम, स्टाफ, साधनों एवं सुविधाओं के सन्दर्भ में राष्ट्रीय स्तर का निर्धारण करना

(2) अध्यापक शिक्षा के स्तर को विकसित करने हेतु अनुदान की व्यवस्था करना

(3) केन्द्र सरकार के समक्ष अध्यापक शिक्षा के विकास के लिए योजनाओं को प्रस्तुत करना।

(4) केन्द्रीय तथा राज्य स्तरीय, प्राथमिक शिक्षा तथा महाविद्यालय स्तर आदि सभी स्तरों की अध्यापक शिक्षा की व्यवस्था का निरीक्षण तथा उनके विकास एवं सुधार हेतु साधनों का सुझाव देना।

(5) सेवारत अध्यापक शिक्षा हेंतु योजनाऐं तैयार करना तथा अन्तर्राज्यीय स्तर पर उनका सम्पादन करना।

(6) अन्तर्राज्यीय स्तरों के लिए निरीक्षण करना, मूल्यांकन करना तथा नये विकास एवं प्रसार का अवलोकन करना।

(7) राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तर, प्रशिक्षण संस्थाओं तथा शिक्षा विभाग के शैक्षिक शोध कार्यो में समन्वय स्थापित करना।

(8) समय–समय पर राज्य परिषदों से विचार–विमर्श करना।

(9) अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय सम्पर्क बनाये रखना।

(10) अध्यापक शिक्षा हेतु प्राप्त अनुदान के समुचित उपयोग के उद्देश्य से केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के मध्य समन्वय स्थापित करना।

NCTE के शैक्षिक कार्यक्रम

(1) बी.एड. पत्राचार पाठ्यक्रम के संचालन पर रोक :– इसके लिए तत्कालीन केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री के.एल. श्रीमाली ने 31 अगस्त को प्रतिवेदन दिया।

(2) व्यवसाय आचरण संहिता :– नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के अन्तर्गत अध्यापकों के लिए आचरण संहिता का विकास किया गया।

(3) अध्यापक शिक्षा के पाठ्यक्रम की रूपरेखा :– नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 में अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रम को पूर्ण रूप बदलने हेतु सुझाव दिये गये।

(4) अध्यापकों की सामाजिक तथा व्यवसायिक भूमिका :– इसके लिए मद्रास में 1987 में कार्यशाला का आयोजन हुआ।

(5) नवीन कार्यक्रम :–

(i) अध्यापक शिक्षा के पाठ्यक्रम में बदलाव

(ii) अध्यापक शिक्षा हेतु चार वर्षीय पाठ्यक्रम का संचालन

(iii) अध्यापक शिक्षा से सम्बन्धित राष्ट्रीय सेमीनारों का आयोजन

(iv) अध्यापक शिक्षा में प्रवेश हेतु मानदण्डों का विकास

(v) अध्यापक शिक्षा पत्रिका (NCTE Bulletin) का प्रकाशन

उपरोक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि अध्यापक शिक्षा परिषद केवल विद्यालयी शिक्षा सुधार के लिए समर्थ प्रतिबद्ध एवं व्यवसायिक रूप से सुयोग्य अध्यापक जो तंत्र की मांग को पूरा कर सकते है को तैयार करने के लिए ही उत्तरदायी नहीं है अपितु विद्यालय एवं उच्च शिक्षा के मध्य योजक कडी भी है। राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में इसकी भूमिका सार्वजनिक रूप से स्वीकार की गई है। और अध्यापक शिक्षा परिषद इसके प्रति सजग भी है।

अध्यापक शिक्षा में नवाचार

अध्यापक शिक्षा को गुणवत्तायुक्त एवं प्रासंगिक बनाने के लिए इसमें बदलते परिदृश्य की नवीन प्रवृतियों को शामिल करना आवश्यक है। नवाचार एवं अनुसन्धान एक दूसरे का समर्थन करने वाले सम्प्रत्यय हैं। एक अध्यापक नवाचार के माध्यम से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सशक्त बनता है और अपने छात्रों में गुणात्मक शिक्षा का संचरण करता है। अध्यापक शिक्षा में नवीन विधियों एवं उपकरणों का प्रयोग किया जाना वर्तमान समय की आवश्यता भी है और शिक्षकों हेतु प्रोत्साहन भी।

परम्परागत शिक्षा प्रणाली बदलते परिवेश में उपयुक्त नहीं है अतः आधुनिक एवं नवीन पद्धतियों का प्रयोग अध्यापक शिक्षा में होना ही चाहिए। नावाचारों का शिक्षक शिक्षा में प्रयोग अत्यन्त ही प्रासंगिक है। शिक्षा में रूचि विकसित करने में, छात्रों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने में, ज्ञान के प्रसार व विकास की भूमिका में, शिक्षा को सुलभ बनानें में, छात्रों की अवधान क्षमता को बढानें में, अधिगम क्षमता को बढाने में, दुर्गम जानकारियों को सुगमता पूर्वक प्रदान करने में नवाचारों का योगदान उल्लेखनीय है।

अध्यापक शिक्षा में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीक (ICT) का प्रयोग होना चाहिए। वर्तमान में रेडियों, कम्प्यूटर, इन्टरनेट, ई–लर्निंग तथा प्रोजेक्टरों का प्रयोग आदि ऐसी तकनीकी है जिनका प्रयोग अत्यन्त आवश्यक है। इन्टरनेट के माध्यम से जहाँ दुर्लभ जानकारियां प्राप्त की जा सकती हैं तो प्रोजेक्टर पर पावर पॉइन्ट के माध्यम से विषयवस्तु को रोचक बनाकर प्रस्तुत किया जा सकता है। अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में निम्नलिखित नवाचारित अनुप्रयोग महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं जैसे– कम्प्यूटर, इन्टरनेट, आदि का अनुप्रयोग, रिफ्रेशर कोर्स, दूरस्थ शिक्षा, सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी, निर्देशन एवं उपबोधन कार्यक्रम पत्राचार पाठ्यक्रम, ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण, सेवारत तथा सेवापूर्ण पाठ्यक्रम आदि।

अध्यापक शिक्षा में नवाचारित अनुप्रयोग शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त कराने में अत्यन्त सहायक है इनसे सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक दोनों पक्षों का विकास किया जा सकता है लेकिन **नवाचारों के प्रयोग में कुछ बाधाऐं** उत्पन्न हो रही हैं जिनका निदान आवश्यक है–

(1) जागरूकता की कमी

(2) परम्परागतता या रूढिवादिता

(3) असुरक्षा एवं डर की भावना

(4) नवीन उपकरणों के संचालन हेतु जानकारी का अभाव

(5) विद्यालयों एव महाविद्यालयों में उपकरणों की कमी

(6) शिक्षकों में शिक्षण की रूचि का अभाव

(7) शिक्षण के प्रति आरामप्रिय मनोवृत्ति

(8) नवीनता को स्वीकार न करने की प्रवृत्ति

अतः **नवाचारिता को बढाने हेतु निम्नलिखित उपाय** किये जा सकते हैं।

(1) शिक्षकों को नवाचारों के प्रयोग हेतु जागरूकता बनाया जाये।

(2) रूढिवादी सोच/प्रवृति को दूर किया जाए।

(3) नवीन उपकरणों का प्रयोग कैसे किया जाये इसकी जानकारी प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाये।

(4) संस्थाओं को नवीन तकनीकी उपकरण उपलब्ध कराये जायें।

(5) शिक्षकों में नवाचारों के प्रयोग हेतु रूचि विकसित की जाए।

(6) पाठ्यक्रम में नवाचारों/नवीन विधियों को अनिवार्य रूप से लागू किया जाये।

(7) समय–समय पर नई योजनाओं या प्रवृतियों से अध्यापकों को अवगत कराया जाये।

(8) रिफ्रेशर कोर्सों का आयोजन किया जावे।

अन्त में निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि अध्यापक शिक्षा में नवाचाारों के प्रयोग से शिक्षक शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन हो रहे हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- शिक्षक एवं समाज, चट्टोपाध्याय कमेटी रिपोर्ट, मा. सं. वि. मं., भारत सरकार, पृ. 49
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति ,1992, मा. सं. वि. मं., भारत सरकार, पृ. 43 पृ. 44
- 'प्रबुद्ध और मानवोचित समाज की ओर' आचार्य राममूर्ति रिव्यू कमेटी रिपोर्ट ;1990, मा. स वि. म भारत सरकार
- शिक्षा बिना बोझ के' यशपाल कमेटी रिपोर्ट ;1993, मा. सं. वि. मं., भारत सरकार, पृ. 26
- https://en.wikipedia.org/wiki/National_Council_for_Teacher_Education
- https://ncte.gov.in/website/index.aspx
- https://www.indiaeducation.net/apexbodies/ncte/
- https://ncert.nic.in/pdf/h_focus_group/Shikshak%20Shiksha.pdf